स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA
सत्यमेव जयते

स्वच्छता समाचार

खंड 4 । अंक 26

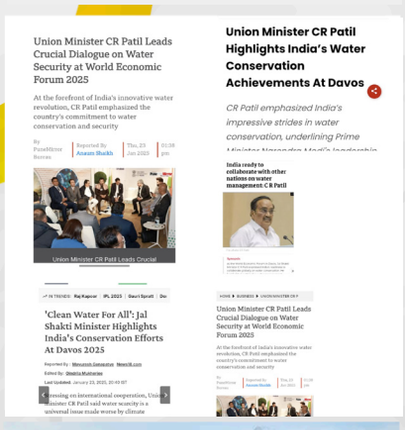

स्वच्छ भारत मिशन

ग्रामीण

एक कदम स्वच्छता की ओर

KABAD MANDI
YOUR TRUSTED SCRAP PARTNER

केंद्रीय मंत्री की कलम से

वॉश क्षेत्र में भारत के नेतृत्व को वैश्विक मंचों पर तेजी से पहचाना जा रहा है, जो जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन जैसे हमारे जन-नेतृत्व वाले आंदोलनों की शक्ति का एक साक्ष्य है। इन पहलों ने सभी के लिए सुरक्षित जल और स्वच्छता को प्राथमिकता बनाकर लाखों लोगों के जीवन को बदल दिया है। यह वैश्विक मान्यता नवाचार जारी रखने, समुदायों को सशक्त बनाने और स्थायी प्रभाव सुनिश्चित करने वाली स्थायी प्रणालियों के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करती है। यह हमारे प्रयासों को सुदृढ़ बनाने और भारत की वाश सफलता की कहानी को और आगे ले जाने का एक महत्वपूर्ण क्षण है।

श्री सी. आर. पाटिल
केंद्रीय मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय

केंद्रीय राज्य मंत्री की कलम से

जैसे-जैसे हम इस परिवर्तनकारी यात्रा के अंतिम वर्ष की ओर बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे ही हम स्थिरता पर भी ध्यान केंद्रीत कर रहे हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि SBM-G चरण II के तहत प्राप्त लाभ न केवल हासिल किए जाएं वरन वे पीढ़ियों के लिए बनाए रखे जाएं। हम जो कार्य करते हैं वह संचालन को सुदृढ़ बनाने, भलीभांति रखरखाव और समुदाय के नेतृत्व वाले ऐसे मॉडल को आगे बढ़ाने पर केंद्रीत रहे, जो लोगों को अपनी स्वयं की स्वच्छता प्रणालियों के संरक्षक बनने के लिए सशक्त बनाएं। हम जमीनी स्तर पर क्षमता निर्माण पर भी जोर दे रहे हैं ताकि स्थानीय नेतृत्व दीर्घकालिक परिवर्तन ला सके। मिशन की वास्तविक सफलता केवल शौचालयों के निर्माण में नहीं है, बल्कि व्यवहारवादी परिवर्तन और समुदायों को अपने स्वच्छ भविष्य का उत्तरदायित्व लेने को बनाए रखने में है।

श्री वी. सोमण्णा
केंद्रीय राज्य मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय

सचिव की कलम से

स्वच्छ भारत मिशन ने प्रदर्शित किया है कि स्वच्छता में स्थायी परिवर्तन केवल तभी संभव है जब सेक्टर, समुदाय और हितधारक मिलकर काम करें। जैसे-जैसे हम अपनी ग्रामीण स्वच्छता यात्रा में आगे बढ़ रहे हैं, हमारा ध्यान समग्र, स्थायी वॉश परिणामों को प्राप्त करने के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, जल और ग्रामीण विकास को एक साथ लाते हुए अंतर-मंत्रालयी तालमेल को अधिक प्रबल करने पर है। इस तालमेल को मजबूत बनाने से न केवल स्वच्छता के बुनियादी ढांचे में सुधार होगा वरन स्वास्थ्य, लिंग समानता और आजीविका पर भी इसके प्रभाव को भी बढ़ाया जा सकेगा।

इस प्रक्रिया की कुंजी-ग्राम जल और स्वच्छता समितियों (VWSC), जिला स्वच्छता मिशन (DSWM), तथा राज्य जल और स्वच्छता मिशन (SWSM) जैसी संस्थाओं को सशक्त बनाना है, जो सामुदायिक भागीदारी तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सभी स्तरों पर नियमित मासिक बैठकें समन्वय और मजबूत करेंगी, जिससे राज्यों में कार्यक्रम को ट्रैक पर रखने के लिए निरंतर समीक्षा तथा प्रभावी कार्यान्वयन को सक्षम किया जा सकेगा। यह नवाचार को बढ़ावा देने, समुदाय के नेतृत्व वाले मॉडल को स्केल करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि SBM के तहत हर पहल एकीकृत, समावेशी और प्रभावशाली है, हेतु महत्वपूर्ण वर्ष है।

Shri Ashok Kumar Kaluaram Meena
Secretary, DDWS, Ministry of Jal Shakti

मिशन निदेशक की कलम से

हम समझते हैं कि स्थायी स्वच्छता प्रणालियों के निर्माण के लिए बुनियादी ढांचे से आगे के कार्य की आवश्यकता होती है, इसके लिए मजबूत स्थानीय स्वामित्व, उन्नत सहयोग और व्यवस्थित, डेटा-संचालित योजना की जरूरत होती है। SBM-G में आगे बढ़ने के साथ-साथ हमारी प्राथमिकता संस्थागत ढांचे को मजबूत बनना है जिससे समुदाय और स्थानीय निकाय प्रभार का नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनते हैं। सभी क्षेत्रों में भागीदारी को बढ़ावा देकर और संरचित, कार्यनीतिक कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करके, लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हमने जो प्रगति की है वह प्रभावशाली और टिकाऊ हो। हम ऐसी लचीली प्रणाली बनाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे जिसका समुदाय स्वामित्व ले सकें, संचालन कर सकें और आने वाली पीढ़ियों के लिए उसे बनाए रख सकें।

श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव
संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक (SBM-G), पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय

कार्यक्रम की उपलब्धियां

28 फ़रवरी, 2025 की स्थिति के अनुसार

ODF PLUS

- भारत के लगभग **5.63 लाख (96% से अधिक)** गांवों ने स्वयं को ODF Plus घोषित किया है साथ ही **78%** से अधिक गांवों ने स्वयं को ODF Plus Model घोषित किया है।
- **5.01 लाख** से अधिक गांवों में है ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था
- **5.21 लाख** से अधिक गांवों में है तरल कचरा प्रबंधन की व्यवस्था
- **4,600** से अधिक ब्लॉकों में **1790** से अधिक प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाई
- पंजीकृत बायोगैस संयंत्र: **1187**
- कार्यशील बायोगैस संयंत्र: **884**
- पूर्ण बायोगैस संयंत्र: **77**

वित्त मंत्रालय
MINISTRY OF FINANCE
सत्यमेव जयते

वित्त मंत्रालय

जागरूकता और जुड़ाव:

- स्वच्छता और साफ-सफाई संबंधी जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए कार्यालयों में स्वच्छता के नारे प्रदर्शित करना।
- नारा प्रतियोगिता 23 जनवरी 2025 को आयोजित की गई।

प्रतिज्ञा और भागीदारी:

- अपर सचिव की अध्यक्षता में स्वच्छता शपथ का आयोजन किया गया।
- अपील गुरुग्राम कर्मचारियों द्वारा की गई ऑनलाइन/ऑफलाइन शपथ (फोटो और पीडीएफ संलग्न)।

स्वच्छता अभियान:

- पहल के हिस्से के रूप में दीपम के आसपास के क्षेत्र और पार्क की सफाई की गई।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
सत्यमेव जयते

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म स्क्रीनिंग:

- सरकारी कॉलेज के छात्रों के लिए स्वच्छता गतिविधियों/स्वच्छ भारत मिशन (SBM) पर फिल्में दिखाई गईं।
- श्री सत्यजीत मंडले, DGM NMI द्वारा स्वच्छता पर व्याख्यान देने के बाद अतिरिक्त स्क्रीनिंग।

प्रतियोगिताएं और गतिविधियां:

- SBM पर फिल-इन-द-ब्लैंक क्विज और निगम के कर्मचारियों के लिए स्वच्छता स्लोगन पेंटिंग प्रतियोगिता (50 अंक)।
- NFDC के सभी कार्यालयों में दर्शाए गए स्वच्छता पखवाड़ा बैनरों के साथ-साथ हिंदी और अंग्रेजी में स्वच्छता शपथ का पाठ किया गया।
- IIMC में हस्ताक्षर अभियान और परिसर की सफाई।
- श्री महेश यादव, DGM (P&A) द्वारा अभिनव स्वच्छता विचारों पर वार्ता।
- NFDC (HO), मुंबई द्वारा एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर अंकुश लगाने और 'अपशिष्ट से धन' को बढ़ावा देने पर जागरूकता सत्र।

स्वास्थ्य और सामुदायिक सफाई:

- NFDC चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय में स्वास्थ्य और सफाई को बढ़ावा देने वाले योग सत्र।
- चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय और TFC कर्मचारियों द्वारा समुद्र तट की सफाई।

मान्यता और मूल्यांकन:

- प्रतियोगिता के विजेताओं को नकद पुरस्कार से सम्मानित करना।
- सुश्री रोहिणी गौतमन (क्षेत्रीय प्रमुख) द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के परिणामों का आकलन।

SPM NIWAS-कोलकाता

जनवरी 2025 में, SPM NIWAS ने कुल 232 प्रतिभागियों के लिए आठ प्रशिक्षण आयोजित किए।

चार व्यक्तिगत प्रशिक्षण में:

1. तरल कचरा और मलीय कचरा प्रबंधन पर प्रशिक्षण
2. शहरी सीवेज उपचार संयंत्रों के साथ सामंजस्य के माध्यम से मलीय कचरा प्रबंधन को बढ़ाना
3. SBM-G 2.0 पर मास्टर प्रशिक्षकों का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम और SIRD और राज्य द्वारा मान्यता-प्राप्त संस्थानों के लिए प्रशिक्षकों (ToT) का प्रशिक्षण।
4. SBM (G) के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सामुदायिक भागीदारी के लिए IEC की भूमिका और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का अनुप्रयोग

निम्न पर चार ऑनलाइन प्रशिक्षण:

- प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाइयों का संचालन संबंधी प्रबंधन (2 बैचों में किया गया)
- वर्मी-कम्पोस्टिंग: जैविक कचरा प्रबंधन को बढ़ाना
- सड़क निर्माण में प्लास्टिक कचरे का उपयोग

फरवरी 2025 में, SPM NIWAS ने ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रारूप के माध्यम से निम्नलिखित प्रशिक्षण आयोजित करने की योजना बनाई है।

- ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू खतरनाक कचरे का प्रबंधन: ऑनलाइन
- SBM (G) के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सामुदायिक भागीदारी के लिए IEC की भूमिका और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का अनुप्रयोग
- सड़क निर्माण में प्लास्टिक का उपयोग: ऑनलाइन
- मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन को बढ़ाने पर प्रशिक्षण।
- वर्मी-कम्पोस्टिंग: जैविक कचरा प्रबंधन को बढ़ाना: ऑनलाइन
- प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाइयों का संचालन संबंधी प्रबंधन: ऑनलाइन
- ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू खतरनाक कचरे का प्रबंधन: ऑनलाइन

प्रशिक्षण हेतु पंजीकरण करने के लिए - यहां क्लिक करें

अधिक जानने के लिए निम्न पर संपर्क करें:-

मोहम्मद इश्फाक एट mohd.ishfaq@ias.gov.in

चैताली मोडल एट chaitalimandal@kpmg.com

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने विश्व आर्थिक मंच में भाग लिया

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल दावोस में इंडिया पवेलियन, विश्व आर्थिक मंच 2025 में।

जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें जल और स्वच्छता के क्षेत्र में देश की अभूतपूर्व उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। पहली बार किसी केंद्रीय जल संसाधन मंत्री की भागीदारी ने इस क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने में भारत के बढ़ते नेतृत्व को प्रदर्शित किया।
दिनांक 22 जनवरी 2025 को, 'जल-सुरक्षित भविष्य के लिए वैश्विक सहयोग' शीर्षक से एक विशेष सत्र ने वैश्विक नेताओं, नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों को भारत की उपलब्धियों पर चर्चा करने और स्थायी जल प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय संवाद को बढ़ावा देने के लिए एक किया। जल, स्वच्छता और सफाई (वॉश) में भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, इंडिया पवेलियन ने 23 जनवरी, 2025 को वैश्विक स्थिरता चुनौतियों का समाधान करने में इन नवाचारों की सार्थकता पर दो पैनल चर्चाओं की मेजबानी की।

जल स्थिरता पैनल जलवायु-अनुकूल जल प्रबंधन, सार्वजनिक-निजी भागीदारी और स्थिरता के लिए भारत के स्केलेबल मॉडल पर केंद्रित है। चर्चाओं ने जल जीवन मिशन (JJM) के भविष्य की राह दिखायी, जिसमें 1.5 बिलियन ग्रामीण जल कनेक्शनों की स्थिरता और कार्यशीलता सुनिश्चित करने और जल संसाधनों में गिरावट और भविष्य उपयोगी जल अवसंरचना जैसी चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। स्वच्छता पैनल ने भारत की अभूतपूर्व स्वच्छता पहलों पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से खुले में शौच को खत्म करने और स्वच्छ भारत मिशन (SBM) के तहत 120 मिलियन से अधिक शौचालयों का निर्माण करने में।

उनकी भागीदारी ने वैश्विक जल सुरक्षा में भारत के नेतृत्व को मजबूत किया और यह साबित किया कि नवाचार, निवेश और सहयोग के माध्यम से भारत न केवल अपने जल स्थिरता लक्ष्यों को प्राप्त कर रहा है बल्कि भविष्य के लिए वैश्विक समाधानों को आकार दे रहा है। उनकी भागीदारी ने जल संरक्षण, अभिशासन और नदी संरक्षण के क्षेत्र में भारत के नेतृत्व को रेखांकित किया।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहां क्लिक करें**

DDWS ने सुलभ स्वच्छता सीखने के लिए व्हाट्सएप आधारित SBM अकादमी लॉन्च की

जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल और स्वच्छता विभाग (DDWS) ने SBM अकादमी का व्हाट्सएप संस्करण लॉन्च किया है, जिससे स्वच्छाग्रहियों, फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं और ग्रामीण समुदायों के लिए स्वच्छता प्रशिक्षण अधिक सुलभ और उपयोगकर्ता के अनुकूल हो गया है।

पुनर्निर्मित SBM अकादमी अब व्हाट्सएप और IVRS पर उपलब्ध है, जो महत्वपूर्ण स्वच्छता और स्वच्छता प्रशिक्षण तक आसान पहुंच सुनिश्चित करती है। वीडियो, ऑडियो क्लिप और रीयल-टाइम अपडेट जैसे इंटरैक्टिव तत्वों के साथ, प्लेटफ़ॉर्म जुड़ाव बढ़ाता है और सीखने को अधिक व्यावहारिक बनाता है। उपयोगकर्ता अब अपना प्रशिक्षण पूरा कर सकते हैं:

- 1800 1800 404 पर IVRS डायल करना
- व्हाट्सएप पर 1800 1800 404 पर संदेश भेजना

वर्तमान में हिंदी और अंग्रेजी में उपलब्ध, यह मंच प्रशिक्षित SBM कर्मियों का एक सत्यापित डेटाबेस बनाकर क्षमता निर्माण के प्रयासों को सुदृढ़ करेगा।

DDWS के सचिव, अशोक के. के. मीना ने विशेष रूप से उल्लेख किया है कि व्हाट्सएप-सक्षम SBM अकादमी बुनियादी स्तर पर क्षमता निर्माण के लिए डिजिटल उपकरणों का लाभ उठाने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है। प्रशिक्षण को अधिक सुलभ बनाकर, यह पहल सुनिश्चित करती है कि स्वच्छता ज्ञान ग्रामीण भारत के प्रत्येक कोने तक पहुंचे।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहां क्लिक करें**

कबाड मंडी: बिहार में ग्रामीण प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन में क्रांति

बिहार का एक जिला सीवान, अपने अभूतपूर्व मोबाइल एप्लिकेशन, कबड्डी मंडी के माध्यम से अपशिष्ट प्रबंधन में नवाचार में अग्रणी है। यह ऐप ग्रामीण समुदायों को अपने प्लास्टिक और गैर-जैवक्षरणीय कचरे को सीधे अपने घरों से बेचने का अधिकार देता है, जिससे अपशिष्ट निपटान के लिए एक स्थायी और लाभदायक मॉडल तैयार होता है। SBM-G द्वारा समर्थित, पहल ग्रामीण नवाचार और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बन गई है।

कबड्डी मंडी एक शीघ्र डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यक्तियों और स्क्रैप डीलरों को जोड़कर ग्रामीण अपशिष्ट प्रबंधन चुनौतियों का समाधान करती है। इस पर उपयोगकर्ता अपने मोबाइल फोन के उपयोग से पंजीकरण कर सकते हैं, अपशिष्ट मात्रा दर्ज कर सकते हैं, और अपने स्थान से अपशिष्ट संग्रहण करवा सकते हैं। ऐप का प्राथमिक ध्यान प्लास्टिक कचरे पर है, जो बढ़ती पर्यावरणीय चिंता को आर्थिक अवसर में बदल रहा है।

एक बार जब उपयोगकर्ता ऐप पर पंजीकरण कर लेते हैं, तो वे अपने स्थान से संग्रहण करवा सकते हैं, और प्रशिक्षित कर्मी या पंजीकृत स्क्रैप डीलर सीधे उनके दरवाजे से कचरा एकत्र कर सकते हैं। फिर कचरे को तौला जाता है, पूर्व निर्धारित दरों पर खरीदा जाता है, और प्रसंस्करण के लिए निकटतम प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई (PWMU) या गोदाम में ले जाया जाता है।

PWMU में, कचरे को विभिन्न श्रेणियों में छांटा जाता है और छर्रों, छोटे टुकड़ों या कॉम्प्रेस्ड ईंटों में संसाधित किया जाता है। इस संसाधित सामग्री को फिर बिहार और अन्य राज्यों में खरीदारों को बेचा जाता है, जिससे एक आगे की आपूर्ति श्रृंखला बनती है जो लाभप्रदता सुनिश्चित करती है।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहां क्लिक करें**

कचरे को कंचन में बदलना: कैसे SBMG और उसके सहयोगी थर्मोकोल का पुनर्चक्रण कर रहे हैं

प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए चल रहे वैश्विक प्रयासों में, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (SBMG), अपने समर्पित भागीदारों के माध्यम से, समस्याग्रस्त पैकेजिंग अपशिष्ट, विशेष रूप से विस्तारित पॉलीस्टाइनिन (EPS) जिसे आमतौर पर थर्मोकोल के रूप में जाना जाता है, का निपटान करने में अग्रणी है। पैकेजिंग, इन्सुलेशन और सुरक्षात्मक कुशनिंग में इसके व्यापक उपयोग ने लंबे अवधि तक इसकी गैर-जैवक्षरणीयता ने पर्यावरणीय चिंताओं को जन्म दिया है।

SBMG, HDFC बैंक और पर्यावरण शिक्षा केंद्र (CEE) के सहयोग से, "ग्रामीण और शहरी लैंडस्केप" परियोजना के तहत अभिनव पुनर्चक्रण समाधान लागू कर रहा है यह परियोजना, अक्टूबर 2021 से चालू है और मार्च 2025 तक चल रही है, थर्मोकोल कचरे को कंचन में बदलने पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत के छह शहरी क्षेत्रों और तीन ग्रामीण जिलों में लागू की जा रही है। EPS लगभग 90% हवा से बना है, जो इसे हल्का लेकिन भारी बनाता है, हालांकि, व्यवस्थित पुनर्चक्रण तकनीकों के माध्यम से, SBMG भागीदार यह प्रदर्शित कर रहे हैं कि थर्मोकोल कचरे को मूल्यवान माध्यमिक सामग्री में कैसे परिवर्तित किया जा सकता है, जिससे इसके पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने और स्थिरता को बढ़ावा देने में मदद मिलती है।

कच्चे माल से नए EPS के उत्पादन की तुलना में 1 टन EPS का पुनर्चक्रण 2 से 3 टन CO2 उत्सर्जन को बचा सकता है। यह कमी जीवाश्म ईंधन निष्कर्षण में कमी और कम ऊर्जा खपत से आती है, जिससे एक लघु कार्बन फुटप्रिंट होता है और क्लीनर उत्पादन प्रक्रियाओं को बढ़ावा मिलता है। इस तरह के प्रभावशाली इंटरवेंशनों पर ध्यान केंद्रित करके, SBMG और उसके सहयोगी भारत को प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने और अधिक टिकाऊ भविष्य के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाने में मदद कर रहे हैं।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहां क्लिक करें**

पंजाब के रूरका कलां की प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पहल

प्लास्टिक कचरा आज के समय की सबसे बड़ी पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है, जहाँ प्रभावी कचरा प्रबंधन प्रणाली अक्सर नहीं होती। पंजाब के जालंधर जिले के रूरका कलां गाँव में इस समस्या का एक समाधान सामने आया है। यहाँ 1 अप्रैल 2024 को स्वच्छ भारत मिशन–ग्रामीण (SBM-G) के अंतर्गत एक प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई (PWMU) की स्थापना की गई। यह इकाई अब कचरे को इकट्ठा करने, उसका प्रसंस्करण करने और उसे दोबारा उपयोगी बनाने की प्रक्रिया को नए रूप में ढाल रही है।

इस परियोजना ने न केवल प्लास्टिक प्रदूषण को कम किया है, बल्कि समुदाय की भागीदारी, रोजगार सृजन और पर्यावरणीय स्थायित्व को भी बढ़ावा दिया है। PWMU की स्थापना से पहले, रूरका कलां जैसे बड़े गाँव में प्लास्टिक कचरे के निस्तारण को लेकर कई समस्याएँ थीं। घरेलू प्लास्टिक कचरा या तो जला दिया जाता था या खुले में फेंक दिया जाता था, जिससे पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों को खतरा था।

इन चुनौतियों को समझते हुए, राज्य सरकार ने YFC के सहयोग से एक संरचित कचरा प्रबंधन प्रणाली लागू की, जिसमें जनजागरूकता, सामुदायिक भागीदारी और संचालन की दक्षता को केंद्र में रखा गया। इस संयुक्त प्रयास ने समुदाय को सक्रिय रूप से जोड़कर, बहुआयामी रणनीति के माध्यम से PWMU को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहां क्लिक करें**

गुजरात के नवसारी जिले के सुल्तानपुर गाँव में समावेशी स्वच्छता की मिसाल

गुजरात में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत राज्य ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं, जिनमें 43.5 लाख से अधिक व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों (IHHLs) का निर्माण शामिल है, जिससे लाखों परिवारों को शौचालय की सुविधा सुलभ हुई है। इसके अलावा, 7,000 से अधिक सामुदायिक स्वच्छता परिसरों (CSCs) का निर्माण किया गया है, जिनमें से 3,000 से अधिक विशेष रूप से दिव्यांग नागरिकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बनाए गए हैं, जिससे समावेशिता और सुगमता सुनिश्चित हुई है।

नवसारी जिले के सुल्तानपुर गाँव ने SBM-G के अंतर्गत समावेशी और टिकाऊ स्वच्छता का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। नवसारी जिले में 2 लाख से अधिक व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण हुआ है, जिससे हर घर तक शौचालय की सुविधा पहुँची है। सुल्तानपुर गाँव के लोगों ने इस बदलाव को पूरे दिल से अपनाया और अपने शौचालयों की जिम्मेदारी लेते हुए गाँव की ODF स्थिति को बनाए रखने का संकल्प लिया।

लेकिन यह कहानी सिर्फ घरेलू शौचालयों तक सीमित नहीं रही। गाँव ने बड़ी सार्वजनिक आवश्यकताओं को समझते हुए रणनीतिक रूप से ऐतिहासिक जोगेश्वर मंदिर के पास एक सामुदायिक स्वच्छता परिसर (CSC) का निर्माण करवाया। यह स्थान सोच-समझकर चुना गया, क्योंकि शिवरात्रि जैसे पर्वों के दौरान यहाँ 4,000 से 5,000 श्रद्धालु आते हैं। ऐसे अवसरों पर यह CSC साफ-सफाई बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा साबित होती है, जो पंचायत की दूरदृष्टि को दर्शाता है।

इस पहल का मूल उद्देश्य स्थायित्व है। पंचायत ने नियमित सफाई, रख-रखाव और सुगमता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी उपाय किए हैं। समावेशी सोच को आगे बढ़ाते हुए सुल्तानपुर पंचायत ने दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं को विशेष रूप से ध्यान में रखा है। जोगेश्वर मंदिर के पास बने CSC में ब्रेल लिपि में संकेतक लगाए गए हैं, जिससे दृष्टिबाधित व्यक्ति भी इस सुविधा का आत्मसम्मान और सहजता से उपयोग कर सकें।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहां क्लिक करें**

स्वच्छ खोज

नीचे क्रॉसवर्ड पहेली को पूरा करें

S	T	O	R	G	O	B	A	R	D	H	A	N	C
S	N	D	H	U	D	I	G	N	I	T	Y	P	A
E	O	C	E	A	R	G	A	C	T	S	N	L	R
N	I	O	L	L	D	A	S	P	E	R	A	A	E
I	T	N	E	M	O	W	L	P	L	S	T	S	C
L	A	Y	G	H	L	Y	N	L	I	L	A	T	Y
N	T	W	N	S	A	D	U	O	O	U	Y	I	C
A	I	A	O	A	C	A	N	G	T	D	A	C	L
E	N	S	L	W	E	I	R	Y	H	G	H	B	E
L	A	T	S	S	A	G	O	H	H	E	C	I	O
C	S	E	D	I	F	S	C	N	R	R	N	O	O
S	E	G	R	E	G	A	T	I	O	N	A	G	D
T	D	L	C	O	W	I	L	A	I	I	P	A	F
O	G	S	S	S	C	O	M	P	O	S	T	S	O

Hints : Gobardhan, Dignity, Compost ODF, Plastic Biogas, Segregation Waste, Cleanliness, Sanitation

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA
सत्यमेव जयते

स्वच्छता समाचार के अगले अंक में योगदान करने के लिए, हर महीने की 15 तारीख से पहले swachhbharat@gov.in पर अपनी प्रस्तुति साझा करें।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA
सत्यमेव जयते

विशेष सचिव का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार।

चौथी मंजिल, पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन, CGO कॉम्प्लेक्स,
लोधी रोड, नई दिल्ली–110003
फोनः 011–24362192 | ईमेलः arun.baroka@nic.in